ICFAI UNIVERSITY
JHARKHAND

The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

इक्फाई वि० वि०, झारखंड में पीएच डी (प्रबंधन) कार्यक्रम का शुभारंभ

राँची, सितंबर 03, 2012

आज, इक्फाई वि०वि० झारखंड ने प्रबंधन में पीएचडी (पार्ट-टाइम) कार्यक्रम का शुभारंभ अपने अशोकनगर (राँची) अवस्थित परिसर के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में किया।

इस अवसर पर बोलते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डॉ डी एन ओझा, निदेशक (उच्च शिक्षा), डिपार्टमेंट ऑफ एचआरडी, झारखंड सरकार, राँची ने प्रबंधन के क्षेत्र में गुणवत्ता आधारित शोध की जरूरत पर बल दिया।

पीएचडी स्कॉलर्स के पहले बैच का स्वागत करते हुए वि० वि० के कुलपति, प्रो० ओ आर एस राव ने भारत में प्रबंधन में अनुसंधान की गति को तेज करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत के सभी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 700 अभ्यार्थी पीएचडी से सम्मानित होते हैं जो कि शिक्षाजगत् और उद्योग के लिए अपर्याप्त है।"पिछले दशक में में अर्थव्यवस्था और बाजारों में बड़े बदलाव आया है जो कि मोबलिटी, सोशल नेटवर्किंग और बढ़ती जोखिम आदि जैसे कारकों के द्वारा संचालित है। इन मौकों और चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान कार्य और बढ़ाने की जरूरत है। अंशकालिक पीएचडी की उत्पत्ति पर प्रकाश डालते हुए प्रो० राव ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पेशेवरों (उद्योग, बैंक, सरकारी, शिक्षाजगत् आदि) को समकालीन क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए प्रेरित करना है।" प्रो० राव ने कहा।

डॉ के के नाग, वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार, फेडयूनि व वि०वि० के अनुसंधान सलाहकार परिषद् के सदस्य ने पीएचडी स्कॉलर्स को ध्यान से अपने शोध का विषय चुनने तथा पूरी भावना से शोध कार्य करने की सलाह दी।

डॉ बी एम सिंह, डीन, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज व कुलसचिव ने पीएचडी स्कॉलर्स के प्रोफाइल का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रतिभागियों में 63% से ज्यादा उद्योगजगत तथा बाकि शिक्षाजगत् से हैं। जबकि 18% प्रतिभागी झारखंड से है, यह खुशी की बात है कि ज्यादा बहुमत अन्य राज्यों से हैं, जिनमे प० बंगाल, उड़ीसा, दिल्ली, कर्नाटक और महाराष्ट्र शामिल है। "स्कॉलर्स को पहले सेमेस्टर के दौरान वि० वि० में दो सप्ताह के संपर्क सत्र में उपस्थित होना होगा जहाँ कि कोर्स वर्क्स कवर किया जायेगा। संपर्क सत्र के सफल समापन के उपरांत, स्कॉलर्स अपनी गति से शोध-विषय पर काम कर सकते हैं। वि०वि० संपर्क सत्र के अलावा आधुनिक प्रौद्योगिकी (जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, टेली कॉन्फ्रेंसिंग आदि) का उपयोग पीएचडी स्कॉलर्स से लगातार संपर्क बनाये रखने के लिए करेगा", प्रो० सिंह ने कहा।

इस कार्यक्रम में प्रो० एस एस प्रसाद, डॉ एस सी स्वायन (समन्वयक, पीएचडी प्रोग्राम), प्रो० प्रिया श्रीवास्तव, प्रो० राकेश पाठक, अन्य शिक्षकगण, वि० वि० के अधिकारीगण तथा अन्य निमंत्रित अतिथि ने भाग लिया।

Address: Ashok Nagar, Between Road No.1 and 2, Ranchi 834002, Tel: 0651-2245178 / 179, 2243255